VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1524)

Name of Candidate	ROSHAN MEENA		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	4144
Center	ONLINE	Date	18-12-20

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Tenancy reforms are much needed to give a boost to the Indian agricultural sector. Comment. In this context, also discuss the significance of the Model Land Leasing Act, 2016. **(150 words) 10**

भारतीय कृषि क्षेत्रक को बढ़ावा देने के लिए काश्तकारी सुधारों की अत्यंत आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिए। इस संदर्भ में, मॉडल भूमि पट्टा अधिनियम, 2016 के महत्व की भी विवेचना कीजिए।

भारतीय कृषि का जी.डी.पी में योगदान निरंतर गिर रहा है (वर्तमान में 16.5%) किंतु 75% ग्रामीण रोजगार तथा कुल रोजगार का 48% कृषि में नियोजन के कारण इसका महत्व बना हुआ है। [आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19]

भारतीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए काश्तकारी सुधारों की आवश्यकता है —

① काश्तकारों की वित्तीय पहुँच का सीमित होना। 'KYC' जैसे नियमों कारण 'किसान क्रेडिट कार्ड' तक पहुँच नहीं है।

② भूमि से बेदखली का डर तभी कम होगा जब काश्तकारी अधिकारों की रक्षा हो।

③ काश्तकारी सुधारों में व्याप्त कमियों के कारण अलग-अलग राज्यों में काश्तकारी

अधिकार के अलग नियम विद्यमान होगा

(4) कृषि उत्पादकता बढ़ाने एवं 'हरहराती कृषि' की रक्षा हेतु भी कारतकारी सुरक्षा आवश्यक

(5) अन्य कारण
- गाँधीवादी विचारधारा के लिए सुरक्षा जरूरी
- जीवन के अधिकार, रोजगार के अधिकार से जुड़ा मुद्दा।

भूमि पट्टा अधिनियम 2016 का महत्व:

(1) पट्टे पर भूमि देने की प्रक्रिया एवं प्रावधानों की सुरक्षा करता है।

(2) जबरन भूमि से बेदखली से सुरक्षा प्रदान करता है।

(3) पट्टाधारक के भूमि अधिकार और मालिक के मध्य संतुलन सुनिश्चित करता है।

(4) भूमि का प्रभावी उपयोग करने में सहायक

(5) कृषि उत्पादकता के लिए जरूरी
द्वितीय किसान आयोग की रिपोर्ट का पालन कर 'MSP' बाजार सुधार के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Identify the various challenges that have restricted the entry of Indian MSMEs into the foreign market. Also mention some government initiatives that have been taken to facilitate MSME exports. (150 words) 10

विदेशी बाजारों में भारतीय MSMEs के प्रवेश को बाधित करने वाली विभिन्न चुनौतियों की पहचान कीजिए। साथ ही, MSME के निर्यात को सुगम बनाने के लिए सरकार द्वारा की गई कुछ पहलों का भी उल्लेख कीजिए।

वैश्विक निर्यात में भारत का योगदान 2% से कम बना हुआ है। MSME का निर्यात में 40% योगदान है (आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19)

अत: भारत MSME के निर्यात क्षमताओं का पूर्ण उपयोग नहीं कर पा रहा।

बाधायें एवं निर्यात समक्ष चुनौतियां =

① वैश्विक प्रतिस्पर्धा :
बांग्लादेश से, ताइवान से, वियतनाम से सस्ते श्रम, उदार नीतियों कारण कपड़ा उद्योग, चमड़ा, जूट उद्योग में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

② संरक्षणवाद - अमेरिका प्रथम नीति, 'GSP' को वापस लेना (USA द्वारा) भारत निर्यात समक्ष चुनौति दे रहा है।

③ तकनीकि बाधायें - 'IPR' कानूनों कारण

VISION IAS™

भारतीय उद्योग को नवीनतम तकनीकों का लाभ नहीं मिल पाता। पुरानी तकनीक से कार्य लिया जा रहा है।

(4) वित्तीय बाधाये - IL&FC का वित्त संकट बैंको का बढ़ता 'NPA' संकट के समक्ष चुनौती दे रहा है।

(5) कौशल प्रशिक्षण का अभाव, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अभाव

(6) बाजार अनुकूल उत्पादों का अभाव - जैसे चमड़ा, बांस उद्योग मे

सरकार के प्रयास :

(1) राष्ट्रीय विनिर्माण नीति 2012 में 16% से बढ़ाकर 25% का लक्ष्य

(2) 200 करोड़ तक के सरकारी खरीद में घरेलू खरीद को ही प्राथमिकता

(3) कुल सार्वजनिक खरीद का 30% घरेलू खरीद से

(4) PM मुद्रा ऋण योजना, Start up योजना 'Stand up' योजना

(5) ई-हाट बाजार योजना,

(6) आत्मनिर्भर भारत के तहत 3 लाख करोड़ वित्तीय प्रोत्साहन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. India's march towards inclusive growth and it achieving the Sustainable Development Goals are intricately linked. Discuss. (150 words) 10
समावेशी विकास की दिशा में भारत की प्रगति और संधारणीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति जटिल रूप से जुड़े हुए हैं। चर्चा कीजिए।

समावेशी विकास का तात्पर्य विश्व बैंक अनुसार विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुँचने से है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, अवसरों की उपलब्धियां सम्मिलित होती है।

वहीं संधारणीय विकास लक्ष्यों में 17 लक्ष्यों (169 उपलक्ष्यों) के तहत विश्व बैंक द्वारा विभिन्न देशों के विकास को मापा जाता है। जैसे SDG-1 = गरीबी

भारत में संधारणीय विकास के लक्ष्य और समावेशी विकास के लक्ष्य आपस में जुड़े है-

① गरीबी का समापन का लक्ष्य
संधारणीय विकास में भारत का लक्ष्य सम्पूर्ण देश में 2030 तक गरीबी की समाप्ती है।

समावेशी विकास भी देश के हर प्रकार की गरीबी को समाप्त करने का लक्ष्य रखता है

② स्वास्थ्य सम्बन्धित लक्ष्य -
संधारणीय विकास लक्ष्य में 2030 तक टीबी की समाप्ति का लक्ष्य, 'MMR' को 2030 तक 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर पर लाने का लक्ष्य है।

भारत की स्वास्थ्य नीति 2017 में भी टीबी को 2025 तक समाप्त करने का लक्ष्य है और मातृत्व जनन दर को 2.1 का लक्ष्य है।

③ महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य:
SDG लक्ष्य 5 महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित है वहीं सतत विकास लक्ष्य महिला नीति एवं राष्ट्रीय महिला मिशन भी यही लक्ष्य रखता है।

④ कुपोषण का लक्ष्य:
SDG-2 भुखमरी समाप्त का लक्ष्य राष्ट्रीय पोषण मिशन से जुड़ा हुआ है।

⑤ पर्यावरण सम्बन्धित लक्ष्य
SDG-13-14, 15 के लक्ष्य राष्ट्रीय पर्यावरण भारत के लक्ष्यों अनुरूप।

अतः भारत की SDG और सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु तीव्र प्रयास करने होंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Highlight the need for evolving an appropriate system of Rules Of Origin in regional trading arrangements. What steps have been taken by India recently in this regard? **(150 words) 10**

क्षेत्रीय व्यापार व्यवस्थाओं में उत्पत्ति के नियमों की एक उपयुक्त प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। हाल ही में, भारत द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

'उत्पत्ति के नियम' का तात्पर्य दो देशों या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाले व्यापार में 'मूल देश' की पहचान करना जहाँ उत्पादन की उत्पत्ति हुई हो।

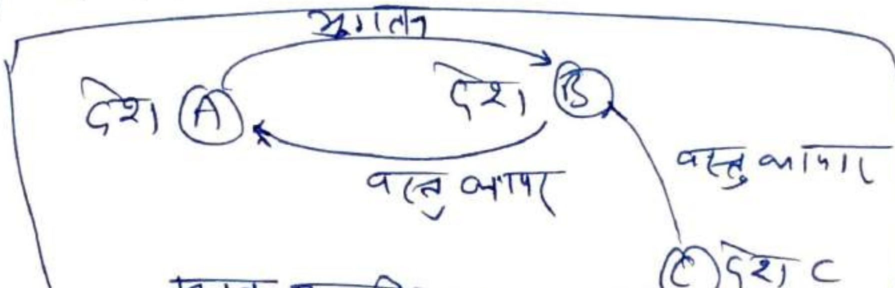

उत्पत्ति का नियम की आवश्यकता :

① मुक्त व्यापार समझौते के उल्लंघन को रोकने हेतु। जिससे जिन देश साथ समझौता वही अपनी वस्तुएं निर्यात कर पाये।

② स्वदेशी उत्पादकों की रक्षा हेतु ताकि सस्ते आयात से मुकाबला किया जा सके।

③ आयात बिल को कम करने में मदद।

④ डंपिंग तथा राष्ट्रविरोधी व्यापार को रोकना संभव होता है।

(5) विदेशी उत्पादों के निर्यात को गति मिलती है।

(6) व्यापार बाधाओं को कम किया जा सकता है।

भारत द्वारा उठाये कदम :-

(1) राजस्व विभाग द्वारा 'उत्पत्ति प्रमाण' पत्र की व्यवस्था को आधार बनाया गया है।

(2) द्विपक्षीय सम्बंधों, दोहरे कराधान वंचन संधियों में 'उत्पत्ति प्रमाण पत्र' को सम्मिलित करने का प्रयास।

(3) श्रीलंका, बांग्लादेश, सिंगापुर से दोहरे व्यापार सम्बंधित समझौते।

(4) डिजिटलाइजेशन द्वारा शीघ्र पारेषण स्वीकृतियों की व्यवस्था।

(5) तीसरे देश से आयात पर अधिक कर लगाना

इस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा तथा व्यापार वृद्धि हेतु उपर्युक्त प्रयास जारी किया है।

For Roshan meena

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. MSP regime is a creation of an era of scarcity in the 1960s. Discuss its relevance in the current era of surplus agricultural production.

(150 words) 10

MSP व्यवस्था 1960 के दशक के अभावग्रस्तता के युग का एक आविष्कार है। अधिशेष कृषि उत्पादन के वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

MSP का तात्पर्य कृषि उत्पादों को सरकारी खरीद के न्यूनतम मूल्य की गारंटी है।

इसकी शुरुआत 1965 में खाद्यान्न अभाव के समय निम्न उद्देश्यों के साथ की गई → ① कम उत्पादन की समस्या को दूर करना ② किसानों को खाद्यान्न के अधिक मूल्य प्रदान करना।

वर्तमान में अप्रासंगिक होने के कारण :

① खुले बाजार में खरीद, e-NAM प्रणालियों के कारण किसानों को प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर बिक्री का अधिकार मिलना।

② गेहूँ एवं चावल में ही 'MSP' पर खरीद होने कारण अप्रासंगिक

③ बाजार व्यवस्था को हानि करती है

④ बिचौलियों द्वारा शोषण का हथियार बना

(5) केवल 25% (लगभग) किसान ही MSP के बारे में जानते हैं (शांता कुमार समिति)
(6) उपभोक्ताओं को पर्याप्त खाद्यान्न आपूर्ति नहीं हो पाना

MSP की वर्तमान में जरूरत क्यों?

(1) कृषि उत्पादन घाटे का सौदा MSP द्वारा आज भी गारंटी बनी रहती है।
(2) बाजार मूल्य का अधिक गिरने कारण किसानों को नुकसान होना। MSP सुरक्षा प्रदान करता है।
(3) MSP के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 का पालन संभव
(4) सभी फसलों (23) की MSP पर खरीद करके कृषि में विविधता संभव है।
(5) जरूरत सुधार करने, कानून शक्ल देने की है ताकि कृषि रोजगार सुनिश्चित रहे।

अतः आवश्यक है कि MSP को तार्किक बनाया जाए और कृषि आय दोगुना करने का प्रयास हो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Examine the link between the recent locust attack and climate change. (150 words) 10

हाल ही में हुए टिड्डियों के हमले और जलवायु परिवर्तन के मध्य संबंध का परीक्षण कीजिए।

हाल ही में राजस्थान-गुजरात की सीमा से भारत में टिड्डियों ने प्रवेश किया और दिल्ली तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। टिड्डी हमले के लिए जलवायु परिवर्तन को मुख्य कारण माना जा रहा है।

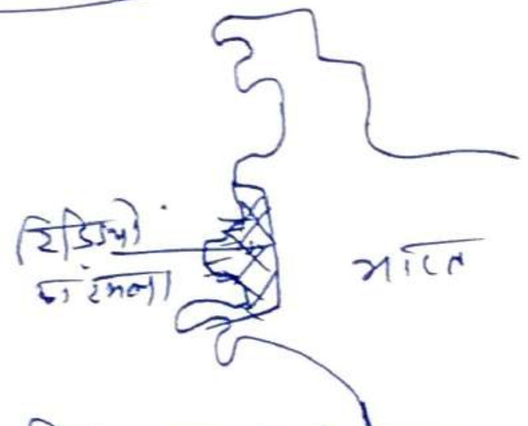

चित्र: भारत टिड्डी हमला

जलवायु परिवर्तन एवं टिड्डी हमला सम्बंध

① गीली बालू मृदा एवं नम जलवायु

कारण टिड्डियों का प्रजनन तीव्रता से हो होता है

② पश्चिमी विक्षोभ के कारण सर्दियों में भी उपयुक्त दशायें बनी रहीं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ भारतीय प्रायद्वीप पर अरब सागर और पाकिस्तान की दिशा से आने वाली चक्रवात हवाओं ने टिड्डीयों को भारतीय भूमि तक लाने में मदद की।

④ यमन में भी हमला अरब सागरीय हवाओं से आने वाली टिड्डीयों कारण हुआ।

⑤ अफ्रीका सोमालिया, जिबूती देशों में भी टिड्डीयों के हमलों के पीछे प्रमुख कारण महासागरीय नम जलवायु और असामान्य वर्षा रही।

⑥ ताप वृद्धि और अपरिवर्तन के कारण टिड्डीयों ने मौसम अनुरूप स्वयं को ढालने में वृद्धि की।

⑦ अधिक प्रजनन की दर, समूह में अलग तरह से व्यवहार करने के मामला जलवायु परिवर्तन से जुड़े है।

अतः भारत में स्थित टिड्डी नियंत्रण केंद्र जोधपुर और कृषि मंत्रालय ने जलवायु परिवर्तन को आक्रामक टिड्डी का कारण माना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Highlighting the properties of Carbon Nanotubes, discuss its applications. (150 words) 10

कार्बन नैनोट्यूब्स के गुणधर्मों पर प्रकाश डालते हुए, इसके अनुप्रयोगों की विवेचना कीजिए।

कार्बन के हेक्सा कणों से निर्मित संरचना कार्बन नैनो ट्यूब कहलाती है। जो आपसी अणुओं के बंधन कारण बेलनाकार रूप धारण करते हैं।

गुणधर्म:

① अत्यधिक लचीलापन की किंतु कठोरता- स्टील की तुलना में अधिक कठोर होती है।

② किसी भी आकार में ढलने की क्षमता का होना।

③ विद्युत का कुचालक अतः विभिन्न औद्योगिक उपयोग की क्षमता।

④ निर्माण करना आसान - लागत प्रभावी तकनीक द्वारा निर्माण संभव।

⑤ शुद्ध कार्बन अणुओं की संरचना।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुप्रयोग :

① विद्युत उद्योग में कुचालक के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

② औद्योगिक उपयोग - रस्सी निर्माण हल्की तथा मजबूत धातु निर्माण तथा घरेलू उद्योगों में उपयोग संभव

③ संचार उद्योगों में - नैनोट्यूब का उपयोग केबिल बनाने, आप्टीकल फाइबर उद्योग में संभव।

④ मिश्र धातु निर्माण में उपयोग द्वारा कार्बन मिश्रित नवीन धातुओं का निर्माण संभव।

⑤ चिकित्सा उपकरणों, कृषि उपकरणों का निर्माण

इस प्रकार कार्बन के नैनोट्यूब का व्यावसायिक उपयोग की व्यापक संभावना विद्यमान है। भारतीय विज्ञान मंत्रालय इसके दोहन हेतु प्रयासरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. India's domestic patent regime privileges public health over pharmaceutical industry's interests. Comment. **(150 words) 10**
भारत की घरेलू पेटेंट व्यवस्था औषध उद्योग के हितों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य को विशेषाधिकार प्रदान करती है। टिप्पणी कीजिए।

भारत में पेटेंट एक्ट 1970 द्वारा उत्पादों को पेटेंट प्रदान किया जाता है। औषध उद्योग का विश्व व्यापार में 3% हिस्सा भारत रखता है।

पेटेंट एक्ट 1970 में सार्वजनिक हितों (स्वास्थ्य) को विशेषाधिकार प्रदान किया जाता है —

① एवरग्रीन पेटेंट का निषेध करके किसी भी उत्पाद का अनिश्चितकालीन निजी अधिकार को रोकती है।

② अनिवार्य लाइसेंसिंग अधिकार स्वास्थ्य आपात स्थिति में किसी अन्य कम्पनी को उत्पादन अधिकार प्रदान करके।

③ कास्मेटिक एक्ट 1940, औषध अधिनियम एवं नियम 1945 में शेड्यूल H श्रेणी

का प्रावधान करके स्वास्थ्यों के सार्वजनिक आवश्यकता अनुरूप मूल्य निर्धारण करे।

विपक्ष में तर्क:

① भारत में 'WIPO' के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है। उसी अनुरूप पेटेंट एक्ट में व्यवस्था की गई है।

② भारत का पेटेंट एक्ट किसी भी दवा कम्पनी के पेटेंट को केवल नियमों के आधार पर ही पहल देता है।

इस प्रकार भारतीय पेटेंट एक्ट पर सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ के लिए दुरुपयोग के आरोप पक्षपातपूर्ण है। भारत अपने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और राष्ट्रीय जरूरतों के मध्य संतुलन बनाये हुए है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Bring out the arguments surrounding the idea of employing the principle of 'one border - one force' on Indian borders. (150 words) 10

भारतीय सीमाओं पर 'एक सीमा-एक बल' के सिद्धांत का उपयोग करने के विचार के चतुर्दिक व्याप्त तर्कों को स्पष्ट कीजिए।

कारगील युद्ध समीक्षा समिति 2000 ने 'एक-सीमा-एक बल' की सिफारिश की।

एक सीमा एक बल में किसी देश से लगती हुई सीमा पर केवल एक ही रक्षा बल को नियुक्त किया जाए। जैसे बांग्लादेश सीमा पर 'BSF' की नियुक्ति।

लाभ:- [कारगील समीक्षा समिति अनुसार]

① सम्पूर्ण एकीकृत दृष्टिकोण का निर्माण संभव।

② जवाबदेही सुनिश्चित करना आसान होता है।

③ तीव्र अग्रसक्रिय कार्यवाही एवं समन्वय करना आसान होता है।

④ विशेषज्ञता में वृद्धि होती है और जमीनी खतरों का अनुमान आसानी से लगा पाते है।

Don't write anything in margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विपक्ष में तर्क :

① सैन्य बलों की सीमित क्षमता कारण किसी एक बल द्वारा एक सीमा पर नियंत्रण कठिन होता है। जैसे राजस्थान-कच्छ की भौगोलिक विभिन्नता अलग-अलग विशेषज्ञता चाहती है।

② संसाधनों का अभाव - तकनीकी संसाधनों की कमी।

③ बहु आयामी रणनीति के विरुद्ध - जैसे आसूचना, सीमावर्ती क्षेत्र विकास उपेक्षित

④ नक्सलवाद, चुनाव, अन्य घरेलू क्षेत्रों में भी उपयोग किया जाना।

⑤ मानव संसाधन का अभाव - उचित कार्य दशाएँ नहीं

⑥ वेतन सेना के समान नहीं होना

अतः आवश्यक है कि सेना के समान वेतन, पर्याप्त साजो-सामान, एकीकृत सीमा प्रबंधन रणनीति को अपनाया जाए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Assess the need to create a new cadre of Indian Frontier Administrative Service to undertake the vital tasks at Indian frontiers. (150 words) 10
भारतीय सीमांतों पर महत्वपूर्ण कार्यों को संपादित करने के लिए भारतीय सीमांत प्रशासनिक सेवा का एक नया संवर्ग बनाने की आवश्यकता का मूल्यांकन कीजिए।

भारतीय सीमांतों पर महत्वपूर्ण कार्यों में मुख्यतः कल्याणकारी कार्यक्रम, विकास सम्बन्धित कार्य तथा राहत पहुँचाने जैसे कार्य सम्मिलित होते हैं।

नये संवर्ग की आवश्यकता

① कार्यों में दोहराव निवारण हेतु –
अतिव्यापन एवं कार्यों में दोहराव हेतु एक प्रकार का संवर्ग उपयोगी होगा।

② समन्वय हेतु:
ताकि विभिन्न विकास कार्यों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सके

③ जनता से जुड़ाव – और प्रशासन की जनता तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) कार्मिकों में व्याप्त असंतोष को दूर करना भी संभव होगा।

कमियाँ:

(1) जिला प्रशासन एवं सीमान्त क्षेत्र निगरानी बलों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न होगी।

(2) सीमांत बल का प्रशासनिक कार्य अस्थायी प्रकृति है, इसलिए ऐसे बल की आवश्यकता नहीं।

(3) प्रशासनिक वित्तीय भार में वृद्धि होगी।

(4) प्रशासनिक जटिलताओं को बढ़ावा मिलेगा।

(5) अतः आवश्यक है कि उपर्युक्त संवर्धन, स्थानीय प्रशासन एवं वैदिक तकनीक का उपयोग किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The main objective of Union Budget 2020-21 is to provide "Ease of Living" to all citizens. Analyse the framework proposed in the Budget 2020-21 to achieve this objective. **(250 words) 15**

केंद्रीय बजट 2020-21 का मुख्य उद्देश्य सभी नागरिकों को "ईज़ ऑफ़ लिविंग" (जीवन सुगमता) प्रदान करना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बजट 2020-21 में प्रस्तावित ढांचे का विश्लेषण कीजिए।

'ईज ऑफ लिविंग' का तात्पर्य जीवन को सुगमतापूर्वक जीने के लिए आवश्यक जरूरी घटकों की सभी लोगों तक उपलब्धता से सम्बन्धित है।

इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जीवन स्तर तथा अन्य घटकों को सम्मिलित किया गया है।

'ईज ऑफ लिविंग' प्रदान करने के लिए बजट में प्रस्तावित ढाँचा —

① स्वास्थ्य में खर्च के रूप में ~~आयुष्मान~~ आयुष्मान योजना का क्रियान्वयन किया गया।

② किसानों को आय सुरक्षा हेतु

प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत किसानों में 6000 रुपये का भुगतान।

③ किसानों के लिए उर्वरक सब्सिडी को जारी रखा गया।

④ स्वच्छता में खर्च को बढ़ाया गया ताकि 'ODF+' का लक्ष्य किया जा सके।

⑤ मनरेगा खर्च को बढ़ाया गया ताकि रोजगार के अधिक अवसर सुनिश्चित हो सके।

⑥ शिक्षा का खर्च में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाने की योजना की गई।

⑦ सब्सिडी को तार्किक बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(8) खाद्यान्न सब्सिडी दी जाती रहा गया।

(9) बैंकों के माध्यम से 15 लाख करोड़ का कृषि क्षेत्र को ऋण देने का लक्ष्य।

(10) ~~प्राथमिक~~ आयकर स्लैबों को आसान किया गया अब आयकर दरें तार्किक बनाई गई।

(11) वृद्धों के लिए आयकर छूट जारी रखी गई।

इस प्रकार ईज ऑफ लिविंग की दिशा में सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता बजट में दिखाई।

Don't write anything in the margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Several challenges are needed to be addressed to realise the full benefits of the recent agricultural marketing reforms. Discuss. (250 words) 15
हालिया कृषि विपणन सुधारों के पूर्ण लाभों को साकार करने के लिए अनेक चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

कृषि क्षेत्र में विपणन तंत्र को सुधारने के लिए हाल ही में कृषि विपणन कानून, e-NAM प्रणाली, लाई गई।

कृषि विपणन सुधार कानून में प्रावधान:

① किसान - उपभोक्ता प्रत्यक्ष खरीद संभव होना।

② परम्परागत 'APMC' बाजारों के बाहर खरीद की अनुमती दी गई।

③ निजी मंडियों की स्वीकृति दी गई।

④ e-NAM प्रणाली को सभी मंडियों के लिए लागु करना।

⑤ कृषि खरीद समझौतों का क्रियान्वयन

⑥ कमोडिटी एक्सचेंज में कृषि विपणन की स्वीकृति

चुनौतियां

① विवाद निपटान तंत्र में किसानों को पर्याप्त अधिकार नहीं। यदि उपजिलाधिकारी द्वारा किसान के विरुद्ध निर्णय दिया जाए।

② किसानों का शोषण संभव - निजी उद्यमों द्वारा कुछ परिस्थितियों में।

③ 'APMC' प्रणाली समाप्त होने का डर - क्योंकि निजी मंडियों में व्यापार टैक्स का प्रावधान नहीं।

④ कृषि राज्य सूची का विषय केंद्र द्वारा अनावश्यक दखल।

⑤ कृषकों में असमानता।

⑥ छोटे एवं सीमांत कृषकों के अनुरूप नहीं केवल बड़े कृषक लाभांवित होंगे।

⑦ कृषि अतिरिक्त ~~निम्न~~ बागानकरण, मत्स्य, पशुपालन उद्योग सम्मिलित नहीं होना।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान :

① MSP को जारी रखा जाए ताकि बाजार अनिश्चितताओं से कृषकों की सुरक्षा रहे।

② न्याय प्रणाली सुधार - ट्रिब्यूनल एवं तीव्र न्याय तंत्र की व्यवस्था करना।

③ समझौता कृषि के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान होना ताकि शंका ना रहे।

④ किसानों को गैर कृषि उत्पादों में रोजगार के लिए प्रेरित करना। जैसे पशुपालन, मत्स्य इत्यादि।

⑤ 'APMC' प्रणाली में पारदर्शिता लाना, कार्टेल बनाने से रोकना।

⑥ राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय जरूरतें अनुरूप निर्णय लिया जा सके इसका कानूनी अधिकार देना।

⑦ कृषि सुधार या 'M.S स्वामीनाथन आयोग' की सिफारिशों को लागू करना।

इस प्रकार 48% श्रम बल को रोजगार देने वाले कृषि का महत्व अर्थव्यवस्था में बना हुआ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Multimodal transport requires multiple integrations across different modes of transportation. Substantiate. What are the challenges and opportunities associated with multimodal transportation for India? (250 words) 15

बहुविध परिवहन (मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट) के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों के मध्य विविध रूप से एकीकरण की आवश्यकता है। पुष्टि कीजिए। भारत के लिए बहुविध परिवहन से जुड़ी चुनौतियां और अवसर क्या हैं?

बहुविध परिवहन मॉडल का तात्पर्य परिवहन के लिए अलग-अलग साधनों (तरीकों) को आपस में नियोजित कर उपयोग करने से है जैसे - मेट्रो + ई-रिक्शा + टैक्सी + रेलवे + उपनगरीय रेलवे + मोनो रेल मॉडल।

एकीकरण की आवश्यकता

① लागत प्रभावी - दिल्ली में एकल टिकट प्रणाली बनाकर बहुविध मॉडल को लागत प्रभावी बनाया।

② एकल मॉडल की अनिमलता -
हर जगह एकल मॉडल लागू करना संभव नहीं है।

③ महिला सुरक्षा हेतु अनुकूल मॉडल।

④ अंतिम स्थान तक कनेक्टिवीटी संभव

⑤ प्रदूषण, भीड़ प्रबंधन के लिए अनुकूल।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) उदाहरण – कलकत्ता मेट्रो मॉडल, दिल्ली में एकीकृत ई-रीडिंग मॉडल, मुम्बई- उपनगरीय रेलवे एकीकरण।

चुनौतियाँ :

① भीड़ प्रबंधन – तंग, संकरी गलियों में परिवहन को सुनिश्चित करना कठिन।

② वित्तीय चुनौतियाँ –
लागत की तुलना में राजस्व आय का कम एवं देरी से प्राप्त होना।

③ सार्वजनिक – निजी मॉडल से जुड़ी चुनौतियाँ – 'BOT, HAM, EPC' जैसे मॉडलों का पूर्ण सफल नहीं हो पाना।

④ राजनीतिक चुनौतियाँ –
राजनीतिक वोट बैंक अनुकूल ही परिवहन मॉडल अपनाना।

⑤ अन्य – कार्य प्रशासन का ढीला रवैया।

अवसर - ① राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजना के तहत अवसंरचना पर विशेष बल दिया जाना।

② अमृत मिशन, स्मार्ट शहर योजनाओं में शहरी परिवहन पर विशेष बल का अवसर।

③ जनगणना 2011 में 31% जनसंख्या थी शहरों में 2026 तक 50% से अधिक जनसंख्या शहरों में रहेगी।

④ तीव्रता से बढ़ते शहरों में राजस्व एवं आय का बड़ा अवसर

⑤ इलेक्ट्रानिक उद्योग का 2030 तक दोगुना होने, तथा राष्ट्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणाली में नये क्षेत्रों में निवेश का अवसर।

⑥ हाइपरलूप जैसे नवीन तकनीकों (MH) अपनाने का अवसर।

अतः एकीकृत परिवहन मॉडल आर्थिक प्रबंधन एवं रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है (नीति आयोग)

14. Though COVID-19 pandemic exposes the vulnerability of Informal sector and associated labor force in India, it also presents an opportunity to rebalance formal-informal economy dynamics in the country. Discuss.
(250 words) 15

हालांकि, कोविड-19 महामारी भारत में अनौपचारिक क्षेत्रक और संबद्ध श्रम बल की सुभेद्यता को उजागर करती है, लेकिन साथ ही यह देश में औपचारिक-अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की गतिशीलता को संतुलित करने का एक अवसर भी प्रस्तुत करती है। चर्चा कीजिए।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट अनुसार कोविड-19 महामारी कारण अनौपचारिक क्षेत्र का 80% श्रमिक बेरोजगार हो गया।

अनौपचारिक क्षेत्रक वह क्षेत्र होता है जो श्रमिक सामाजिक कल्याण, सरकारी नीतियों और किसी कानूनी अनुबंध से मुक्त रहता है जैसे (दिहाड़ी मजदूर)

सुभेद्यता :

① रोजगार की सुरक्षा का अभाव -
जितना काम उतना भुगतान और कमाना खाने के सिद्धांत पर आधारित होने कारण रोजगार की स्थिरता नहीं होती।

② बचतों का अभाव होना - इसी कारण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोविड 19 महामारी में सबसे अधिक प्रभावित रहा।

③ लैंगिक भेदभाव - महिलाओं को कम भुगतान मिलना।

④ सामाजिक सुरक्षा से दूर होने कारण पेंशन, बीमा सुविधाओं से दूर होना।

⑤ नकद भुगतान कारण बैंकों तक पहुंच नहीं।

⑥ प्रवासी श्रमिकों की अधिकता के कारण पी.डी.एस जैसी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिलता।

⑦ श्रमिक युनियन का अभाव।

अर्थव्यवस्था के लिए अवसर:-

① गिग अर्थव्यवस्था का तीव्रता से बढ़ने के कारण नीति आयोग ने 2025 तक प्लेटफॉर्म कर्मियों की 35% वृद्धि होने का अनुमान किया।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) कुल रोजगार का 90% (कृषि क्षेत्र मिलाकर) नियोजन अनौपचारिक क्षेत्र में ही होना।

(3) विनिर्माण क्षेत्र में 'GST' प्रणाली द्वारा नियोजित करने का अवसर।

(4) कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण रोजगार का 75% अनौपचारिक श्रमिकों द्वारा ही पूरा होना [आर्थिक सर्वे० 2017-18]

(5) सामाजिक सुरक्षा, बीमा सेवा तक पहुँच हेतु - प्रधानमंत्री बीमा योजना, श्रम जीवी मानधन योजना तक जुड़ने का अवसर

(6) सरकारी प्रयास :

(i) न्यू पेंशन स्कीम, जीवन ज्योति बीमा योजना स्वास्थ्य बीमा योजना।

(ii) 'GST' प्रणाली द्वारा रजिस्ट्रेशन

(iii) स्ट्रीट वेंडर्स हेतु राशन कार्ड योजना।

अतः अनौपचारिक क्षेत्र औपचारिक क्षेत्र हेतु कच्चा माल, श्रम नियोजन और आधार का काम करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Highlight the drivers and challenges facing India's ambition to become a gas-based economy. Mention the steps that have been taken by the government recently in this regard. (250 words) 15
गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा के चालकों और सामना की जाने वाली चुनौतियों को रेखांकित कीजिए। इस संबंध में हाल ही में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

भारतीय ऊर्जा नीति में गैस का योगदान 15% के आसपास बना है। इसे 2025 तक 25% को पाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी महत्वाकांक्षा के कारण गैस का महत्व निम्न आधारों पर बढ़ जाता है-

① पर्यावरण अनुकूल साधन-
कोयले की तुलना में अल्प उत्सर्जन।

② स्वदेशी उत्पादन क्षमता - विदेशी आयात पर निर्भरता का कम होना।

③ ~~अधिक~~ ऊर्जा मांग को पूरा करने की क्षमता का होना

④ ~~विदेशी~~ आयात बिल को कम करने में मददगार - 80% ऊर्जा आवश्यकता वर्तमान में आयात से पूर्ति (ऊर्जा निर्भरता)

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ भी न लिखें)

(5) पेरिस जलवायु समझौते 'INDC' के अनुकूल

चुनौतियाँ

(1) मूल्य निर्धारण अतार्किक :
- अमेरिका, ब्रिटेन के बाजारों के आधार पर मूल्य निर्धारण करना
- 3 माह पुराने डाटा पर मूल्य निर्धारण

(2) स्वदेशी उत्पादन एवं आयात में अंतराल - दुर्बी नीतियाँ :-
- सरकार द्वारा दोनों का अलग-अलग मूल्य निर्धारण

(3) TAPI जैसी योजनाओं का लम्बित होना

(4) वास्तु क्षमता का पूर्ण दोहन नहीं - अनुसंधान एवं उत्खनन हेतु अलग अलग नियमों का होना

(5) कोयले पर अधिक निर्भरता का होना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार के प्रयास

① राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजना में गैस को सम्मिलित करना।

② सिटी गैस ग्रीड मिशन।

③ नई हाइड्रोकार्बन उत्खनन नीति में सर्वेक्षण एवं उत्खनन हेतु अलग से लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं।

④ गैस प्रोपर्टी एक्सचेंज ~~नीति~~ की शुरुआत स्पॉट गैस मूल्य निर्धारण संभव

⑤ ~~एक~~ एक देश एक मूल्य नीति के तहत सम्पूर्ण देश में गैस का मूल्य समान रखने पर बल।

⑥ उत्तर पूर्वी गैस ग्रीड का उद्घाटन।

⑦ गैस आयात हेतु रूस, म्यांमार से समझौते

इस प्रकार हरित अर्थव्यवस्था एवं निर्धारित ऊर्जा नीति अनुरूप सरकार प्रयासरत है।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Climate Change and the associated events endanger the marine and coastal ecosystems while increasing the vulnerability of coastal population. Examine. (250 words) 15

जलवायु परिवर्तन और संबद्ध घटनाएं तटीय जनसंख्या की सुभेद्यता को बढ़ाते हुए समुद्री एवं तटीय पारिस्थितिक तंत्रों को खतरे में डालती हैं। परीक्षण कीजिए।

~~जलवायु~~ IPCC' की रिपोर्ट अनुसार 2089 तक पृथ्वी का तापमान 2°C से अधिक बढ़ जाएगा। जिसका प्रभाव तटीय जनसंख्या पर नकारात्मक पड़ेगा।

सुभेद्यता की घटनायें :-

① तापमान में वृद्धि - समुद्री जलस्तर का बढ़ना।

② चक्रवातों की आवृत्ति में वृद्धि होना।

③ सूनामी का आना - तटीय क्षेत्रों पर ज्यादा प्रभाव

④ मौसमी प्रतिरूपों में परिवर्तन - कोरल विरंजन

⑤ शहरी बाढ़ का आना - चैन्नई

⑥ भू-स्खलन - गोवा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समुद्री पारितंत्र को खतरा :-

① प्रवाल विरंजन - तापमान का 27°C से अधिक बढ़ना या कम होने से प्रवालों से जुजैनथेले अलग हो जाते हैं।

② लवणता परिवर्तन : भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में अधिक वर्षा एवं मध्य अक्षांशों पर कम वर्षा से मध्य अक्षांशों की लवणता में परिवर्तन आ रहा है जिससे जीवों की उपापचयी क्रियाएं प्रभावित हो रही हैं

③ उर्ध्वाधर समुद्री धाराओं के निर्माण में भी तापमान परिवर्तन से प्रभाव पड़ता है जिससे सम्पूर्ण जलीय परितंत्र प्रभावित होता है

④ मीठे पानी की मात्रा बढ़ने से (ग्लेशियर) के ध्रुवीय क्षेत्रों पर मछलियों के प्रजनन पर प्रभाव पड़ता है

⑤ माइक्रोप्लास्टिक के बढ़ने से समुद्री परितंत्र में परिवर्तन होता है

Don't write anything in this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) अधिक तापमान समुद्री की अम्लता
अम्लता, आयतन को प्रभावित करता है

तटीय क्षेत्रों पर प्रभाव :

(1) द्वीपों का डूबना - तुवालु, मालदीव एवं बांग्लादेश प्रभावित।

(2) तटीय लवणता बढ़ने से भू-जल में लवणता की मात्रा बढ़ जाती है

(3) प्रवासन - खाद्यान्न संकट में वृद्धि होती होती है तटीय जलवायु परिवर्तन से।

(4) तटीय प्रवाल विरंजन जैसे आस्ट्रेलिया में ग्रेट बैरियर रीफ प्रवाल विरंजन।

(5) चक्रवातों की आवृत्ति का बढ़ना - सामुद्रिक जल की सीमांत ऊष्मा बढ़ने के कारण

इस प्रकार पेरिस समझौते तथा अन्य जलवायु प्रतिबद्धताओं का पालन किया जाना ही, पर्यावरण सह विकास की तटीय समुद्री पर्यावरण की रक्षा कर सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Using examples, highlight how natural ecosystems perform different hazard mitigation functions. **(250 words) 15**

उदाहरणों का उपयोग करते हुए, रेखांकित कीजिए कि प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र किस प्रकार अलग-अलग संकट के शमन का कार्य करते हैं।

<u>प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का तात्पर्य</u>

स्थल, जल एवं वायु पारितंत्र के साथ जीवों के सह सम्बंधों से है।

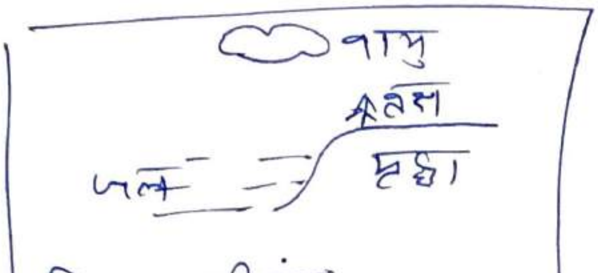

चित्र: पारितंत्र

प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र द्वारा अलग अलग संकटों का शमन :-

(क) <u>जलीय पारिस्थितिक तंत्र :-</u>

(1) <u>महासागरीय धाराओं</u> द्वारा सागरीय एवं पृथ्वी के <u>ऊर्जा बजट</u> में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है। यह महासागरों में लवणता, जल जीवों के लिए <u>'हाटलो'</u>, का काम करता है।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीवों के अस्तित्व, प्रजनन प्रणाली को नियंत्रित रखता है।

② प्रवाल :-

- समुद्री वर्षा वन कहे जाते हैं समुद्री जीवों को आश्रय, भोजन को सुनिश्चित करना।

- समुद्री चक्रवातों, सुनामी के नियंत्रण में अवरोध के रूप में कार्य करना।

③ नदियाँ - सूखा से बचाव में मदद करना।

- अतिरिक्त जल को समुद्रों में प्रवाहित कर बाढ़ पर नियंत्रण करना।

④ स्थलीय परितंत्र

① मैंग्रोव - • समुद्री सुनामी से रक्षा।

- समुद्री प्रदूषकों को छानकर प्रकृति का गुर्दा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② दलदली भूमि - कार्बन सिंक के रूप में कार्बन का संग्रह करके तापवृद्धि से बचाव करना

③ ग्लेशियर - पृथ्वी का एल्बीडो संतुलन बनाने में मदद करना
- अतिरिक्त जल का संग्रह कर सागरीय जल की मात्रा को नियंत्रित रखना

④ पेड़ - छाया देना

वायु पारितंत्र

① पवनें, जेट स्ट्रीम द्वारा ऊष्मा बजट को संतुलित करना

② बादल - वर्षा द्वारा जीवन अनुकूल वातावरण निर्माण

③ ओजोन परत - लघु तरंगदैर्ध्य किरणों से पृथ्वी का बचाव

अतः आवश्यक है कि प्राकृतिक पारितंत्र का संरक्षण किया जाए ताकि पृथ्वी अपना संतुलन बनाये रख सके।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Explain what genome sequencing is and state the challenges in scaling up genome sequencing projects. Also, throw some light on the recently launched IndiGen Project. **(250 words) 15**

व्याख्या कीजिए कि जीनोम अनुक्रमण क्या है और जीनोम अनुक्रमण परियोजनाओं को बढ़ावा देने में विद्यमान चुनौतियों का वर्णन कीजिए। साथ ही, हाल ही में आरंभ की गई इंडिजेन (IndiGen) परियोजना पर कुछ प्रकाश डालिए।

जीनोम अनुक्रमण वह प्रविधि है जिसमें जीवों के जीनोम मानचित्रण की जानकारी इकट्ठा की जाती है। मनुष्य में 3 अरब जीनोम पाये जाते हैं।

जीनोम अनुक्रमण परियोजनाओं में जीवो (मानव सहित) के सम्पूर्ण जीनोम प्रणाली को इकट्ठा किया जाता है ताकि आनुवांशिक बीमारियों, जीनो में परिवर्तन को साफ किया जा सके।

चुनौतियां ① लक्षित समूह को पहचानने में चुनौतियां - शुद्ध नस्ल के लोगों की पहचान चुनौती पूर्ण)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② साम्प्रदायिक विचारधारा को बढ़ाने का डर - जैसे हिटलर ने जर्मन जाति को श्रेष्ठ माना।

③ निजता का मुद्दा - निजी जानकारी का दुरुपयोग करना संभव।

④ वित्तीय चुनौती - भारत में जीनोम अनुक्रमण हेतु वित्त स्रोत सीमित। शिक्षा का खर्च मात्र 4% बना हुआ है

⑤ अवसंरचना सम्बंधित - जीनोम स्टोरेज, मानव संसाधन, कौशल युक्त विशेषज्ञों का अभाव।

इंडिजेन परियोजना :-

① इस परियोजना में जनजातीय समूहों के जीनोम अनुक्रमण की जांच की गई।

② 1000 जनजातियों के लोगों का जीनोम इकट्ठा किया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ लक्ष्य:
- जनजातीयों में विद्यमान वंशानुगत बीमारियों की जानकारी इकट्ठा करना।
- कम प्रतिरोधक क्षमता का पता लगाना

④ समूह - विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख भागीदार

आगे की राह:
① जीनोम ~~सि~~ अनुक्रमण में अनुसंधान को बढ़ाने हेतु भारतीय जीनोम अनुक्रमण की राष्ट्रीय परियोजना संचालित है जो 10000 लोगों के जीनोम का संग्रह करेगी।

② राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटर मिशन द्वारा जीनोमविश्लेषण, जांच हेतु सुपर कम्प्यूटरों की उपलब्धता पर बल दिया जा रहा है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. India needs to avert radicalisation and societal dissention, as internal faultlines are a breeding ground for cyber and transnational terrorism. Discuss. **(250 words) 15**

भारत को कट्टरपंथीकरण और सामाजिक मतभेदों को रोकने की आवश्यकता है, क्योंकि आंतरिक दरारें साइबर एवं पार-राष्ट्रीय आतंकवाद का जनन स्थल होती हैं। चर्चा कीजिए।

किसी व्यक्ति द्वारा अपने धर्म, विचार को ही सर्वश्रेष्ठ मानकर अन्य व्यक्ति को हीन मानना कट्टरपंथीकरण कहलाता है।

इससे समाज में हिंसा, दंगों, अफवाह जैसी अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

कट्टरपंथीकरण और सामाजिक मतभेद के कारण -

① भ्रामक सूचनाओं का प्रसार :

जिससे लोग अन्य विचारों के प्रति पूर्वाग्रह बना लेते है और इससे ~~सभा~~ सामाजिक संस्कृति के समक्ष ~~चुन~~ चुनौती उत्पन्न होती है।

② राजनीतिक समर्थन -

इससे कट्टरपंथी विचारों में तीव्र प्रसार होता है। पुलिस का भय कम हो जाता है।

(3) वैज्ञानिक सोच एवं शिक्षा का अभाव होने कारण तार्किक चिंतन नहीं कर पाना।

(4) सामाजिकरण की प्रक्रिया में अन्य समूह के प्रति जो मूल्य मिले हैं उनसे भी प्रभावित होते हैं।

साइबर अपराध को बढ़ाना:-

(1) कट्टरपंथी समूहों द्वारा अन्य धर्मों, विचारों के प्रति फेक न्यूज को फैलाया जाता है।

(2) महिलाओं के विरुद्ध अपराध में वृद्धि होती है। क्योंकि जब पुरुष प्रधान विचारों को फैलाया जाता है।

(3) मोब लिंचिंग को बढ़ावा सायबर माध्यम से मिलता है।

(4) वैचारिक प्रसार - 'ISIS' ने इसका सफलता पूर्वक उपयोग किया।

(5) सामाजिक एकता बंधुत्व को खतरा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) धार्मिक आतंकवाद की जन्म -

(i) 'लोनवुल्फ़' का बढ़ना इसका उदाहरण

(ii) वैचारिक प्रभाव का बढ़ने की संभावना।

(iii) पीड़ित व्यक्ति धार्मिक आतंकवाद की रणनीति में तेजी से विश्वास करता है।

(iv) ब्रेनवाश करना आसान होता है पीड़ित लोगों का

अतः आवश्यक है मीडिया एथिक्स, समाज में समरसता की भावना, तथा कानून व्यवस्था को निष्पक्षता के साथ पालन किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Given the emerging security challenges, discuss why the establishment of Integrated Theatre Commands is being seen as an important defence reform. (250 words) 15

उभरती हुई सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए, चर्चा कीजिए कि क्यों एकीकृत थिएटर कमान की स्थापना को महत्वपूर्ण रक्षा सुधार के रूप में देखा जा रहा है।

हाल ही में चीन द्वारा डोकलाम, गलवान घाटी, सियाचिन में सैन्य दखल और पाकिस्तान द्वारा समय-समय पर उसकी कार्यवाहियों की आवृत्ति बढ़ी है।

इसी कारण एकीकृत थिएटर कमान की स्थापना महत्वपूर्ण हो गई है।

एकीकृत थिएटर कमान –

① सेना की एक अग्र तकनीक इकाई होती है जो किसी भी अल्प सूचना पर निश्चित स्थान पर पहुँचने के लिए तैयार रहती है।

② एकीकृत थिएटर कमान में तीनों सेनाओं की भागीदारी होती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) अल्प संवेग युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए इनका गठन किया जाता है।

(4) इनमें सेना बटालियन की तुलना में (लगभग 2000) कार्मिक रहते हैं।

(5) कारगील युद्ध समीक्षा समिति ने इसके गठन की सिफारिश की।

(6) इसमें क्षेत्र विशेष में विशेषज्ञों को सम्मिलित किया जाता है जिससे स्थानीय भौगोलिक स्थिति और जटिलताओं को दूर किया जा सके।

(7) सेना की सहायता करने के लिए इनका गठन होता है।

(8) यह सैन्य नियंत्रण में समन्वय का एक उपयुक्त उदाहरण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(9) भारत में पश्चिमी एवं पूर्वी सीमा के लिए भावी एकीकृत कमान गठन करने के लक्ष्य है।

(10) पश्चिमी बंगाल में हाल ही में इस प्रकार की कमांड घटित की गई।

इस प्रकार नवीन युद्ध चुनौतियों और दोतरफा युद्ध की भावी संभावनाओं से निपटने में इस प्रकार की तैयारी मददगार होगी।